सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 10 • अंकः 54 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, गुरुवार, 28 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

अच्छा व्यवहार सभी गुणों का सार है।

-अरस्तु

सनराइजर्स के सामने फीकी पड़ी मुंबई... 7 | नहीं थम रही सीट बंटवारें पर... 3 | शिक्षा में भाजपा ने अव्यवस्था पैदा... 2

4पीएम फिर बना देश में नंबर वन

15 करोड़ व्यूज के साथ दिग्गजों को पछाड़ा

» 11 प्रतिशत व्यूज शेयर के साथ जमाई धाक

» लोकप्रियता में भी नए आयाम गढ़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लगातार हर रोज नए आयाम जोड़ने के क्रम में जन-जन के प्रिय यूट्यूब चैनल 4पीएम ने एक और आसमान को लांघ लिया है। चैनल ने फरवरी के महीने में लगभग 15 करोड़ (149.9 मिलियन) व्यूज व 11 प्रतिशत भागीदारी के साथ सभी दिग्गजों को पछाड़ दिया है। इसी के साथ चैनल के सब्सक्राइबरों की संख्या में भी जबर्दस्त उछाल आया है अब उनकी संख्या 36 लाख से ज्यादा पहुंच गयी है। सत्ता पर तीखे प्रहार करने की आदत और सच को सामने लाने की अपनी जिद के बलबूते 4पीएम का यूट्यूब चैनल आए दिन सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है।

लोगों के प्यार और सत्ता से सवाल करने की ताकत का ही नतीजा है कि 4पीएम देशभर में नंबर वन यूट्यूब चैनल बना हुआ है। वर्तमान समय में 4पीएम 36 लाख से भी ज्यादा सब्सक्राइबर्स और 15 करोड़ से भी ज्यादा व्यूज के साथ नंबर वन बना हुआ है। इन सब उपलब्धियों के पीछे चैनल के प्रमुख व संपादक संजय शर्मा का दूरदर्शी सोच है। अपने बेबाक व विजनरी विचारों के माध्यम से अपनी पूरी टीम को उत्साह से भरकर वह इस चैनल को एक सही दिशा दिखा रहे हैं। तभी तो अब देश के लीडिंग टीवी न्यूज चैनल भी 4पीएम और उसके संपादक संजय शर्मा का लोहा मान रहे हैं।

कई मंचों पर बढ़ रहा 4पीएम का सम्मान

गौरतलब हो कि इसी क्रम में कुछ दिन पहले देश में पहले स्थान पर आने पर 4पीएम के संपादक संजय शर्मा को एनडीटीवी के शो 'हम लोग' में बतौर मेहमान बुलाया गया। जहां उन्होंने 4पीएम के सफर व यूट्यूब की दुनिया के बारे में लोगों से जानकारी साझा की। इस दौरान संजय शर्मा ने यूट्यूब की कई बारीकियों से लोगों को अवगत कराया। साथ ही 4पीएम की ताकत और सत्ता से सवाल करने की जिद के बारे में भी बताया। इस दौरान 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने बताया कि किस तरह से उनके अखबार पर सरकार के द्वारा हमले कराए गए, उन्हें डराने व धमकाने का प्रयास किया गया। लेकिन वो सत्ता के दबाव में नहीं आए और अपनी आवाज को अधिक मुखर करने के लिए प्रिंट के साथ-साथ यूट्यूब की दुनिया में भी आ गए। यूट्यूब पर भी संजय शर्मा ने इसी निडरता के साथ सत्ता से सवाल किए और सच को दिखाना जारी रखा। संजय शर्मा ने उन पर दबाव बनाने वाले व उन्हें धमकाने वाले अधिकारियों का शुक्रिया अदा किया कि अगर वो ऐसा न करते तो शायद उनके अंदर इतनी हिम्मत न आती और 4पीएम देश में नंबर एक पर न पहुंच पाता।

Top Political Commentators on YouTube - Views Market Share (February 2024)
Excl. mainstream media. View count as of Mar 24 for Feb uploaded videos only
databeings
Colors indicate political leaning

Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share	Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share
1	4PM	149.9	11%	16	Unite India	26.5	2%
2	DB live	127.6	10%	17	Punya Prasun Bajpai	25.1	2%
3	NMF News	127.2	10%	18	National Dastak	25.1	2%
4	Abhisar Sharma	108.1	8%	19	The Chanakya Dialogues Hindi	24.1	2%
5	Ravish Kumar Official	69.3	5%	20	The News	23.9	2%
6	Ajit Anjum	67.7	5%	21	Public Meter	19.2	1%
7	Bharat Samachar	63.7	5%	22	The Deshbhakt	18.5	1%
8	Pyara Hindustan	48.0	4%	23	Kadak	18.4	1%
9	online news india	42.5	3%	24	J Bharat News Live	18.1	1%
10	Headlines India	41.3	3%	25	Satya Hindi	17.4	1%
11	Ulta Chasma uc	38.8	3%	26	The Jaipur Dialogues	16.2	1%
12	CAPITAL TV	38.7	3%	27	Article19India	15.9	1%
13	Sakshi Joshi	34.0	3%	28	The Alternate Media	15.3	1%
14	Deepak Sharma	28.2	2%	29	News Views	14.4	1%
15	SPN9NEWS सामाजिक आईना	27.4	2%	30	DD React	14.4	1%
					Total	1305.0	100%

वटवृक्ष बनने की ओर अग्रसर चैनल

4पीएम धीरे-धीरे लोकप्रिय होता चला जा रहा है। पहले जहां एक चैनल सिर्फ यूपी में था अब उसकी कई शाखाएं अन्य राज्यों में फैल रही हैं। यहीं नहीं जिन राज्यों में यह चैनल नहीं है वहा भी इसकी मांग बढ़ रही है। यूट्यूब चैनल की पूरी टीम की मेहनत से 4 पीएम एक वटवृक्ष बनने की ओर अग्रसर है। आज 4पीएम नेशनल के अलावा 9 राज्यों के क्षेत्रीय चैनल भी हैं। जिनमें 4पीएम यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, 4पीएम गुजरात और इसके अलावा 4पीएम बॉलीवुड का भी चैनल शामिल है।

क्वालिटी ऑफ कंटेंट से कोई समझौता नहीं

सपांदक संजय शर्मा ने बताया कि यूट्यूब के लिए कमिटमेंट कितना जरूरी है। वो पिछले चार साल से एक भी दिन ब्रेक लिए बगैर सुबह 6 बजे अपना शो लेकर आते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि यूट्यूब के लिए कंटेंट जुटाना काफी कठिन काम है, क्वालिटी ऑफ कंटेंट ही यूट्यूब का किंग है। इसके लिए उनकी टीम काफी मेहनत करती है। उन्होंने बताया कि कैसे 4पीएम लोगों के बीच जाता है, लोगों की बात करता है और लोगों के दर्द को बांटता है, तभी वो देश में नंबर वन बना हुआ है।

सरकार की छुपी बात को बाहर निकालना ही खबर

सरकार जो बताती है वो विज्ञापन है, लेकिन सरकार जो छुपाती है वो खबर है। हमें वो ही खबर दिखानी है। क्योंकि सरकार की अच्छाइयां बताने के लिए तो उसके विभाग हैं। लेकिन उसकी कमियां दिखाना और उससे सवाल करना ही पत्रकारिता है। हम 2014 से पहले भी ये ही काम कर रहे थे और आज भी सरकार से ही सवाल जारी हैं। यही वजह है कि 4पीएम को भारत के साथ-साथ विदेशों में भी काफी देखा जा रहा है। फिर वो चाहें लंदन हो, अमेरिका हो, ऑस्ट्रेलिया हो या फिर खाड़ी देश हों, 4पीएम अपनी पहुंच बनाए हुए है।

शिक्षा में भाजपा ने अव्यवस्था पैदा कर दी : अखिलेश

बोले- विपक्ष पर बनाए जा रहे हैं मनगढ़ंत मामले

» पूरे देश में अराजकता है वादों पर खरी नहीं उतरी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यूपी में पूंजी निवेश का हवा महल दिखाकर लाखों नौकरियां सृजित होने का दावा किया गया। एमओयू तो बहुत से हो गए, लेकिन जमीन पर न तो एक उद्योग लगा और ना ही नौकरियां मिली। यूपी में लगने वाले उद्योग गुजरात चले गए। शिक्षा के क्षेत्र में भाजपा ने अव्यवस्था पैदा कर दी है। भाजपा सरकार में परीक्षाओं का पेपर लीक हो जाता है। नौकरी देने पर आरक्षण भी देना होगा, इसलिए जानबूझकर पेपर लीक की नौटंकी होती है। छापे डलवाकर धन वसूली का भंडाफोड़ होने से भाजपा की चारों ओर बदनामी हो रही है।

भाजपा जांच एजेंसियों के मार्फत विपक्षी नेताओं को बदनाम करने और उनकी गिरफ्तारी से आतंक फैलाने में लगी हैं। भाजपा पूंजीपतियों की समर्थक है और उसे वसूली की आदत है। वह मनी लांड्रिंग के बहाने पालिटिकल लांड्रिंग का मनगढ़ंत केस बनाती है। अब उसके कुछ ही दिन बचे हैं। केंद्र की सत्ता में पीडीए इंडिया गठबंधन आने वाला है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अब आतंक और गिरफ्तारियों के बल पर सत्ता में आने की साजिश में लग गई है। पूरे देश में अराजकता है। भाजपा के भ्रष्टाचार की पोल खुल रही है। जनता में असंतोष तथा आक्रोश है। अपनी पराजय की आशंका से परेशान भाजपा अब विपक्ष को बदनाम करने का षडयंत्र रच रही है, जिसमें उसे कोई सफलता नहीं मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता से किए गए वादों पर खरी नहीं उतरी है। किसानों से कर्जमाफी, उनकी आय दोगुनी करने की कोई नीति नहीं बनी। एसएसपी पर फसल खरीद की किसानों की मांग बर्बरता से दबाने का काम किया है। कर्ज और महंगाई से परेशान एक लाख किसानों ने आत्महत्या कर ली। केंद्र में सरकार बनते ही 2 करोड़ नौकरियां देने का वायदा किया था।

मुरादाबाद से रुचिवीरा ही होंगी उम्मीदवार

सीतापुर जेल में बंद प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खां मुरादाबाद के मौजूदा सांसद एसटी हसन का टिकट कटवाने में कामयाब रहे। आजम की खास मानी जाने वाली रुचिवीरा यहां से सपा की प्रत्याशी होंगी। वहीं सपा नेतृत्व ने रामपुर में आजम की नहीं सुनी और मोहिबुल्लाह नदवी को मैदान में उतार दिया। नदवी दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट जामा मस्जिद के इमाम हैं। वे मूल रूप से रामपुर के ही रहने वाले हैं। नदवी का टिकट फाइनल होने के बाद भी रामपुर में सपा के अंदर घमासान बढ़ता हुआ दिख रहा है। रामपुर में सपा के टिकट पर पिछला उपचुनाव लड़ चुके आसिम राजा ने बुधवार को निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर पर्चा भर दिया। रामपुर के सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर का कहना है कि हमें आजम खां ने नदवी के बजाय आसिम राजा को चुनाव लड़ाने के निर्देश दिए हैं। रामपुर से सपा का नदवी को उतारना आजम के लिए झटका माना जा रहा है।

आजम को मनाने सीतापुर जाएंगे शिवपाल यादव

सपा सूत्रों के मुताबिक आजम खां के रामपुर में चुनाव बहिष्कार के बाद जल्द ही पूर्व मंत्री शिवपाल यादव उन्हें मनाने सीतापुर जेल जाएंगे। मामले पर सपा के राज्यसभा सदस्य जावेद अली खान ने कहा कि नवाबों के दौर में भी मुरादाबाद कभी रामपुर के अधीन नहीं रहा, पर अब है।

गरीबों के हितों की बात करते हैं राहुल: पप्पू यादव

» भाजपा पर जमकर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

किशनगंज। पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के बागडोगरा से पूर्णिया जाने के क्रम में किशनगंज बस स्टैंड के पास कांग्रेस पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं व पप्पू यादव के समर्थकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान प्रोफेसर गुलरेज रोशन रहमान व नासिक नादिर सहित अन्य नेताओं ने बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान प्रेस को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद पप्पू यादव ने कहा कि पंडित नेहरू, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, भगतसिंह, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह के बाद अब राहुल गांधी ने देश के 130 करोड़ लोगों का दिल जीतने का जो जज्बा दिखाया है, इससे साबित होता है कि उनसे बड़ा कोई हीरो नहीं हो सकता है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी गरीबों के हितों की बात करते हैं, जाति व धर्म की बात नहीं करते हैं। पप्पू यादव ने कहा कि वे 5 बार सांसद रहे और कांग्रेस की विचारधारा के साथ रहें हैं। उन्होंने कहा कि कोसी सीमांचल की जनता मेरे लिये भगवान है, भगवान की आस्था पर कोई समझौता नहीं कर सकते हैं। पूर्व सांसद पप्पू यादव ने भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा के 4 सांसदों ने टिकट लौटा दिया।

मायावती अगले हफ्ते से शुरू करेंगी सभाएं

» आकाश आनंद भी संभालेंगे मोर्चा, बिजनौर में पहली रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती बिजनौर से अपनी रैली की शुरुआत कर सकती हैं। इस बार उनके भतीजे आकाश आनंद भी यूपी में प्रचार की कमान संभालेंगे। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती अप्रैल के पहले सप्ताह से पश्चिमी उप्र में रैलियों की शुरूआत कर सकती हैं। पार्टी सूत्रों की मानें तो बसपा सुप्रीमो चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत बिजनौर और नगीना में रैली के जरिए करेंगी।

वहीं दूसरी ओर पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद भी छह अप्रैल से यूपी में चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। उनकी पश्चिमी उप्र में कई चुनावी सभाओं का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का नामांकन समाप्त होने के बाद बसपा भी अन्य दलों की तरह चुनाव जीतने की व्यूह रचना करने में जुट गयी है। खासतौर पर पश्चिमी उप्र में, जिसे बसपा का गढ़ माना जाता है, बसपा सुप्रीमो जल्द प्रचार अभियान की शुरुआत करने जा रही हैं।

स्टार प्रचारकों की फेहरिस्त भी तैयार

पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों की फेहरिस्त भी तैयार करनी शुरू कर दी है, जिसमें अधिकतर पार्टी के वरिष्ठ नेता, जोनल कोआर्डिनेटर और पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद के नाम शामिल किए जाएंगे। पार्टी के अकेले विधायक उमाशंकर सिंह भी चुनाव प्रचार अभियान का हिस्सा बनेंगे। उनका नाम भी स्टार प्रचारकों में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा अन्य प्रदेशों के बसपा अध्यक्षों को भी स्टार प्रचारकों में शामिल किया जा सकता है।

कांग्रेस ने यूपी में घोषित किये चार और प्रत्याशी

» शीर्ष नेतृत्व ने किया चिंतन-मनन, अमेठी-रायबरेली पर अभी कोई चर्चा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के लिए 8वीं सूची से पहले कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने काफी चिंतन-मनन किया। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उत्तर प्रदेश गोवा, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, तमिलनाडु की लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में 40 नामों पर मंथन किया गया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अमेठी और रायबरेली सीट पर इस बैठक में भी चर्चा नहीं की जा सकी। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की अगली बैठक 31 को होगी। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के लिए चार सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए। इसमें गाजियाबाद से महिला उम्मीदवार डॉली शर्मा पर एक बार फिर दांव लगाया गया है।

ज्ञात हो कि सपा गठबंधन के तहत कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 17 सीटें मिली हैं। नौ सीट पर पिछले सप्ताह उम्मीदवार घोषित किए गए थे। बुधवार को चारों उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। हालांकि अभी अमेठी और रायबरेली से पत्ते नहीं खोले गए हैं। इसी तरह मथुरा सीट पर भी मंथन चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि प्रयागराज लोकसभा क्षेत्र से सपा के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह के बेटे उज्जवल रमण सिंह पर दांव लगाने की तैयारी है। वह जल्द की कांग्रेस की सदस्यता लेंगे। सीतापुर यहां से पूर्व मंत्री नकुल दुबे पर दांव लगाया गया है। नकुल दुबे बसपा के टिकट पर 2007 में विधायक और मंत्री बने। वह 2012 और 2017 का विधानसभा चुनाव हारने के बाद 2019 में सीतापुर से बसपा के ही टिकट पर लोकसभा चुनाव भी लड़े।

खरगे, सोनिया, राहुल प्रियंका स्टार प्रचारक

कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों के नाम का भी एलान किया। इनमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी का नाम शामिल है। वहीं, मध्य प्रदेश के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के नाम भी स्टार प्रचारकों की सूची में हैं।

डराकर नवीन जिंदल को भाजपा में शामिल करवाया : अभय चौटाला

» कुरुक्षेत्र में 10 साल सांसद रहते कुछ नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र के शाहाबाद क्षेत्र में पूर्व सांसद नवीन जिंदल के परिवार ने फैसला किया हुआ था कि उन्हें किसी भी पार्टी से चुनाव नहीं लड़ना है। वे कांग्रेसी थे, लेकिन भाजपा ने किसी एजेंसी का डर दिखाकर न केवल उन्हें पार्टी में शामिल कर लिया बल्कि 10 साल बाद उन्हें कुरुक्षेत्र में चुनाव लड़ने के लिए भेज दिया। ये आरोप इनेलो प्रत्याशी अभय चौटाला ने लगाए। उन्होंने कहा कि नवीन जिंदल पहले भी कुरुक्षेत्र के सांसद रहे हैं।

वे 10 साल के दौरान कुछ नहीं करवा पाए। कार्यकाल पूरा होने के बाद वह जनता के बीच से पूरी तरह गायब हो गए। अब किसी एजेंसी के डर के चलते फिर से चुनाव लड़ने को तैयार हो गए हैं, लेकिन क्षेत्र की जनता उनसे पूरा हिसाब लेगी। कार्यकर्ता वर्तमान सरकार की विफलताओं से लोगों को अवगत कराएं। चौटाला ने कहा कि कांग्रेस पहले ही चुनाव मैदान छोड़ चुकी है और ये सीट आप को दे दी है जबकि आप की पंजाब सरकार हरियाणा के लोगों को एसवाईएल का पानी तक देने से इंकार कर चुकी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

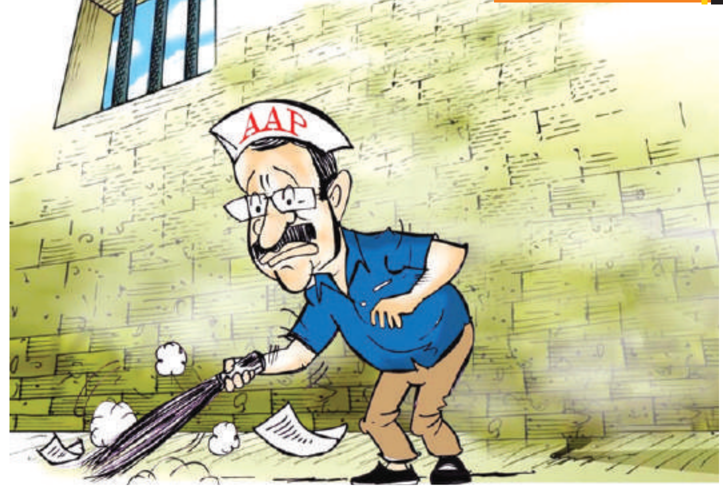

नहीं थम रही सीट बंटवारें पर रार!

यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक उम्मीदवारों पर टकरार

- सियासी दलों में माथापच्ची जारी
- भाजपा, कांग्रेस, सपा, शिवसेना यूबीटी सभी प्रत्याशी फंसे
- पहचे चरण के लिए नामांकन पूरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान के लिए आज अंतिम दिन नामांकन को कई उम्मीदवारों ने अरुणाचल व सिक्किम के लोकसभा सीटों के लिए पर्चे भरे। प्रत्याशियों ने ढोल व नगाड़ों के साथ जुलूस निकाल कर नामांकन किया। पर इन सबके बीच अब भी दोनों गठबंधनों यानि राजग व इंडिया में प्रत्याशी व सीटों को लेकर बवाल जारी है। जिन लोगों को टिकट मिल जा रहा है वह तो शांत हैं जिनको नहीं मिल रहा वह कोप भवन की राह अपना रहा है। ऐसे में सभी सियासी दल अब भी सीटों व उम्मीदवारों को लेकर माथा-पच्ची में लगे हुए हैं।

वहीं इन सभी लोकसभा सीटों के लिए नामांकन भरने की अंतिम तिथि 27 मार्च है। हालांकि चुनाव आयोग ने त्योहारों के कारण बिहार राज्य को राहत देते हुए नामांकन की अंतिम तिथि 28 मार्च तय की है। लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण के नामांकन की अंतिम तिथि 27 मार्च है। पहले चरण में 102 लोकसभा सीटों पर मतदान होने हैं। पहले चरण में ही अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा चुनाव भी आयोजित किए जाने हैं। पहले चरण के लिए मतदान 19 अप्रैल को डाले जाएंगे। लोकसभा की 102 सिम जो 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की है जिनके लिए इस दिन मतदान होगा।वहीं इन सभी लोकसभा सीटों के लिए नामांकन भरने की अंतिम तिथि 27 मार्च है। हालांकि चुनाव आयोग ने त्योहारों के कारण बिहार राज्य को राहत देते हुए नामांकन की अंतिम तिथि 28 मार्च तय की है।

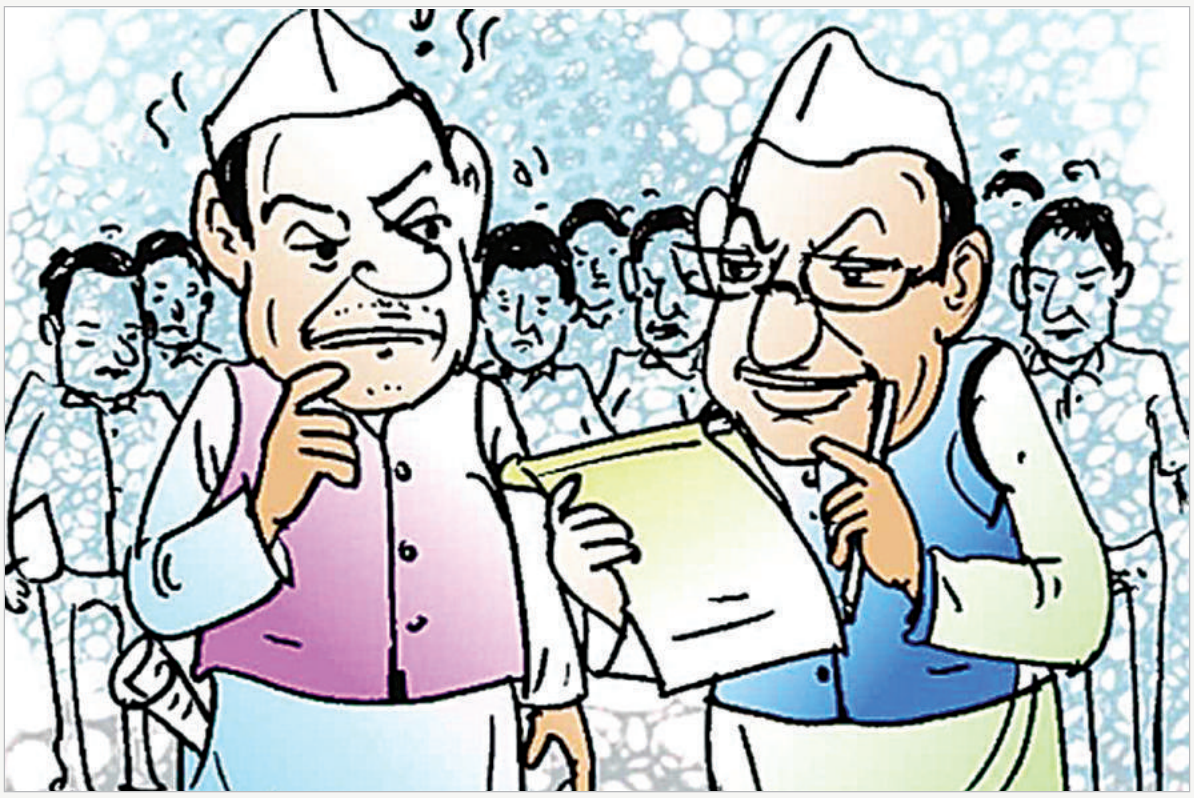

पहले चरण में भाजपा और एनडीए दोनों मिलकर अब तक 101 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

लोकसभा चुनाव में बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए और विपक्षी पार्टियों के इंडिया ब्लॉक के बीच हो रहा है। बता देगी पहले चरण में भाजपा 77 सीटों पर लड़ रही है जबकि 23 सीटों पर एनडीए की अन्य समर्थन करने वाली परियां चुनाव लड़ेंगे। भाजपा और एनडीए दोनों मिलकर अब तक 101 सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं जबकि एक सीट के लिए उम्मीदवार की घोषणा करना शेष है।

शिवसेना-उद्धवगुट की पहली लिस्ट आई

शिवसेना (यूबीटी) ने लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 16 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। इसके साथ ही पार्टी ने उम्मीदवारों को लेकर जारी सस्पेंस खत्म कर दिया है। कांग्रेस नेता संजय निरुपम जिस जगह से टिकट मांग रहे थे, शिवसेना ने वहां से अमोल कीर्तिकर को टिकट दिया है। शिवसेना ने बुलढाणा से नरेंद्र खेडकर, मुंबई दक्षिण से अरविंद सावंत, परभणी लोकसभा सीट से संजय जाधव, यवतमाल वाशिम से संजय देशमुख, सांगली से चंद्रहार पाटिल और हिंगोली सीट से नागेश पाटिल को मैदान में

उतारा है। इसके अलावा संभाजीनगर से चंद्रकांत खैरे, धारशीव सीट से ओमराजे निंबालकर, शिर्डी से भाऊसाहेब वाघचौरे, नाशिक से राजाभाऊ वाजे,रायगड से अनंत गीते, सिंधुदुर्ग रत्नागिरी से विनायक राऊ, और ठाणे से राजन विचारे को टिकट मिला है। वहीं उत्तर पूर्वी मुंबई से संजय दिना पाटिल और नार्थ वेस्ट मुंबई से अमोल कार्तिकर पार्टी के उम्मीदवार होंगे। इससे पहले आज उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने लोकसभा चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी कर दी है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने लोकसभा चुनाव के लिए कुल 17 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। मुंबई दक्षिण मध्य लोकसभा सीट से अनिल देसाई को टिकट दिया है। इसके अलावा मुंबई दक्षिण से अरविंद सावंत को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुंबई दक्षिण मध्य लोकसभा सीट से अनिल देसाई की उम्मीदवारी की घोषणा की है।

कांग्रेस के 57 व इंडिया के अन्य सहयोगियों के 42 उम्मीदवार

इंडिया ब्लॉक की बात करें तो कांग्रेस के खेमे में 57 सीट है आई है। बताने की पहले चरण के चुनाव के लिए इंडिया ब्लॉक ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इंडिया ब्लॉक की अन्य पार्टियों कल 42 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरेंगी।

हर हाल में साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव : तेजस्वी

बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि कांग्रेस-राजद गठबंधन सबसे पुराना गठबंधन है। हम हर परिस्थिति में साथ रहे हैं और साथ मिलकर चुनाव भी लड़े हैं। हमारे बीच कभी कोई दरार पैदा नहीं हुई। उनका कहना था, हमारा सामूहिक एजेंडा भाजपा को रोकना है। मैं कह सकता हूं कि बिहार चौंकाने वाला परिणाम देगा और हमारे पास इसके लिए एक रणनीति है।

उन्होंने कहा कि बहुत जल्द सीट बंटवारे को लेकर पटना में ऐलान कर दिया जाएगा। तेजस्वी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से उस वक्त मुलाकात की है जब पिछले कुछ दिनों से बिहार में कांग्रेस और राजद के बीच सीट बंटवारे को लेकर रिश्ते तल्ट? होने की खबरें आ रही थीं। देश में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होंगे। इसके बाद छह और चरणों में 26 अप्रैल, सात मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और एक जून को मतदान होगा। लोकसभा के 543 निर्वाचन क्षेत्रों में लगभग 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता 10.5 लाख मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। मतगणना चार जून को होगी।

बिहार: राजद और कांग्रेस में डील होगी पक्की

राजद और कांग्रेस पार्टी के बीच लोकसभा चुनाव को लेकर जारी खींचतान जारी है जो आज खत्म होने की कगार पर है। बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए सीट बनवाने को लेकर दोनों पार्टियों के बीच बैठक हुई। इस बैठक से पहले ही राजद चार उम्मीदवारों को अकेले ही मैदान में उतार चुकी है। इस बैठक से पहले कांग्रेस और राजद के बीच हुई बैठक में बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव मुकुल वासनिक के आवास पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस के बिहार अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह भी मौजूद थे।माना जा रहा है कि दोनों पार्टियों के बीच आम सहमति बन चुकी है लेकिन फिर भी सीटों को लेकर विवाद लगातार चल रहा है। इसे लेकर बुधवार को भी बैठक होगी जिसमें सीट शेयरिंग पर बात फाइनल हो सकती है। इससे पहले मंगलवार को भी राजद और कांग्रेस की बैठक हुई थी। राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को हुई इस बैठक के बाद कहा कि बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन को लेकर सहमति बन गई है और जल्द ही सीट बंटवारे का ऐलान कर दिया जाएगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक के आवास पर बैठक के बाद तेजस्वी ने यह भी कहा कि इस बात को लेकर सहमति बन चुकी है कि बिहार में राजद, कांग्रेस और वाम दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

बसपा ने उत्तराखंड की पांच सीटों के लिए तय किए उम्मीदवार

बहुजन समाज पार्टी ने उत्तराखंड की पांच सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं।बसपा ने टिहरी गढ़वाल से नीम चंद्र छुरियाल, पौड़ी गढ़वाल से धीर सिंह बिष्ट और अल्मोड़ा से नरायण राम को प्रत्याशी बनाया है। इसी तरह नैनीताल उधमसिंह नगर से अख्तर अली माहीगिर और हरिद्वार से जमील अहमद को प्रत्याशी बनाया है।

BSP

महाराष्ट्र में प्रकाश आंबेडकर ने इंडिया का साथ छोड़ा

लोकसभा चुनाव से पहले महाविकास अघाड़ी दल और आईएनडी अलायंस को तगड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र के प्रकाश आंबेडकर की एमवीए (वंचित बहुजन अघाड़ी) पार्टी ने गठबंधन को अलविदा कह दिया है। सीट शेयरिंग को लेकर महाविकास अघाड़ी दल के साथ बात न बनने पर प्रकाश आंबेडकर की पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। पार्टी ने नौ उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया। एमवीए की तरफ से चार सीटों का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन प्रकाश आंबेडकर सात सीटें मांग रहे थे। वंचित बहुजन अघाड़ी ने जानकारी दी कि पार्टी नागपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार नहीं उतारेगी। पार्टी कांग्रेस के उम्मीदवार को सपोर्ट करेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चुनावों में युवाओं के मुद्दों पर हो खुलकर बात

“ युवाओं कर पूरी उम्मीद है कि उनसे जुड़े मुद्दे इसबार चुनावी मुदे बनेंगे। ये मुद्दे सस्ती पढ़ाई व राजेगार से जुड़े होंगे। जगह-जगह विभिन्न माध्यमों से युवाओं का मन टटोला जा रहा है। कई जगह युवकों के लिए भ्रष्टाचार व बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है, इसे खत्म करना चाहिए, वहीं हिन्दू-मुस्लिम में भेदभाव नहीं होना चाहिए। हम सब यहां प्यार मोहब्बत से रहे, उन्होंने कहा कि कोई भी जीते चाहे वो कांग्रेस हो या भाजपा लेकिन आपसी भाईचारा बना रहना चाहिए।

भारत में चुनावी मौसम शुरू हो चुका है। 19 अप्रैल को पहले चरण के लिए मतदान होगा। पहले चरण के लिए 27 मार्च को नामांकन भी हो चुके हैं। अब नाम वापस लने की प्रक्रिया शुरू होगी फिर उसके बाद चुनावी प्रचार अभियान शुरू हो जाएगा। इस बीच आम मतदाता एक बार फिर उम्मीद लगाए है कि उसके मुद्दे नेताओं द्वारा उठाए जाएंगे। सबसे ज्यादा युवा मतदाताओं की संख्या इसबार है। युवाओं कर पूरी उम्मीद है कि उनसे जुड़े मुद्दे इसबार चुनावी मुदे बनेंगे। ये मुद्दे सस्ती पढ़ाई व राजेगार से जुड़े होंगे। जगह-जगह विभिन्न माध्यमों से युवाओं का मन टटोला जा रहा है। कई जगह युवकों के लिए भ्रष्टाचार व बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है, इसे खत्म करना चाहिए, वहीं हिन्दू-मुस्लिम में भेदभाव नहीं होना चाहिए। हम सब यहां प्यार मोहब्बत से रहे, उन्होंने कहा कि कोई भी जीते चाहे वो कांग्रेस हो या भाजपा लेकिन आपसी भाईचारा बना रहना चाहिए। वहीं दूसरे युवा ने कहा कि जितने भी वादें किये गए हैं वो तो कोई भी पार्टी पूरा नहीं करती। युवाओं की मुद्दों पर कुछ सियासी दल भी उनके साथ हैं।

इसी क्रम में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि देश का हर युवा समझ चुका है कि भाजपा रोजगार नहीं दे सकती। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, भारत के कुल कार्यबल में जितने बेरोजगार हैं, उनमें 83 प्रतिशत युवा हैं। कुल बेरोजगारों में शिक्षित युवाओं की हिस्सेदारी 2000 में 35.2 प्रतिशत थी। 2022 में यह 65.7 प्रतिशत यानी लगभग दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर प्रधानमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार कह रहे हैं कि सरकार बेरोजगारी की समस्या हल नहीं कर सकती। प्रियंका गांधी ने दावा किया, यही भाजपा सरकार की सच्चाई है। आज देश का हर युवा समझ चुका है कि भाजपा रोजगार नहीं दे सकती।'' उन्होंने कांग्रेस के चुनावी वादों का उल्लेख करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी के पास युवाओं को रोजगार देने की ठोस योजना है। खाली पड़े 30 लाख सरकारी पद तत्काल भरे जाएंगे, हर ग्रेजुएट/डिप्लोमाधारक को एक लाख रुपये सालाना की अप्रेंटिसशिप (प्रशिक्षुता), पेपर लीक के खिलाफ नया सख्त कानून आएगा और स्टार्ट-अप के लिए 5000 करोड़ रुपये का राष्ट्रीय कोष बनेगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार रोजगार क्रांति के जरिये देश के युवाओं के हाथ मजबूत करेगी। युवा ही देश का भविष्य हैं। वे मजबूत होंगे तो देश मजबूत होगा। वहीं सत्ता पक्ष में बैठी बीजेपी भी युवाओं को रिझाने में लगी है। ऐसी उम्मीद की जा सकती है कि इसबार सारी सियासी पार्टियां अपनी घोषणा पत्र व भाषणों में युवाओं की समस्याओं पर विशेष ध्यान देंगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

क्या मोदी व विपक्ष की तैयारियों में दस साल का फर्क है?

श्रवण गर्ग

हजारों करोड़ की धनराशि के चुनावी बांडों की खरीदी, जिसका कि हाल ही में खुलासा हुआ है, के पीछे का असली सच क्या है? क्या सच सिर्फ यही है कि विपक्षी दलों की तुलना में भाजपा को कई गुना ज्यादा चंदा प्राप्त हुआ? यह सच अधूरा है! पूरे सच के लिए इस बात की तह में जाना होगा कि भाजपा को मदद करने वाली ताकतें कौन सी हैं? वे कंपनियाँ और उनके मलिक कौन हैं जिनके निहित स्वार्थ वर्तमान सत्ता और व्यवस्था को बनाए रखने में हैं? वे लोग कौन हैं जो सत्तारूढ़ दल में शामिल हो रहे हैं और उन्हें चुनावी टिकिट मिल रहे हैं? 'निष्पक्ष' चुनावों के जरिए सरकार अगर सत्ता से बाहर हो जाती है तो इन शक्तियों के साम्राज्यवाद का क्या होगा?

प्रधानमंत्री जब कहते हैं कि वे भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाना चाहते हैं तो उसके पीछे की हकीकत को समझना होगा! सरकारें कभी आर्थिक ताकत नहीं बनतीं! समूचा देश बनता है। जिस देश में अस्सी करोड़ से ज्यादा नागरिक मुफ्त के अनाज पर जिंदा हों वे राष्ट्र को आर्थिक ताकत नहीं बना सकते। वे करोड़ों पढ़े-लिखे बेरोजगार जो नौकरियों की तलाश में अपनी उम्र खर्च कर रहे हैं वे भी मुल्क के आर्थिक रूप से शक्तिशाली बनने में मदद नहीं कर सकते। सवाल यह है कि प्रधानमंत्री किनके जरिए और किनके लिए भारत को 'फाइव ट्रिलियन डॉलर' की इकोनॉमी बनाना चाहते हैं? क्या उन लोगों के लिए जिनके खिलाफ राहुल गांधी ने मोर्चा खोल रखा है? जिनके साथ सत्ता की साँठ-गाँठ को लेकर राहुल संसद से सड़क तक हमले जारी रखे हुए हैं? कहा यह भी जा सकता है कि जैसे-जैसे बड़े घरानों के खिलाफ राहुल के नेतृत्व में विपक्ष के हमले बढ़ते जाएंगे, ये निहित स्वार्थ भाजपा को सत्ता में बनाए रखने के लिए 'प्रोटेक्शन मनी' के तौर पर अपनी चंदे की राशि में इजाफा करते जाएंगे। (राहुल उसे 'एक्सटॉरशन मनी' कहते हैं)। सत्तारूढ़ दल के उम्मीदवारों को जिताने की जिम्मेदारी भी ये घराने अपने ऊपर ले लेंगे। पार्टी का काम हल्का हो जाएगा। भूखी और बेरोजगार जनता कभी संगठित नहीं हो सकती। निहित स्वार्थों का गिरोह पूरी तरह संगठित है। सबसे बड़ा दान मुख्य भगवान के चरणों में चढ़ाया जाता है। बाकी देवी-देवताओं और पुजारियों की पेटियों में फिर श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा पड़ता है। पार्टियों को दिये जाने वाले चंदे का गणित भी यही है। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की समाप्ति के बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में हुई लाखों लोगों की सभा में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री के बारे में कहा था वे केवल एक मुखौटा हैं। बॉलीवुड के एक्टरों की तरह अभिनय करते हैं। राहुल ने प्रधानमंत्री के पीछे खड़ी पूंजीपतियों की ताकत को ही मोदी की असली 'शक्ति' बताते हुए कहा था उनकी लड़ाई प्रधानमंत्री की इसी 'शक्ति' के साथ है। (जैसा कि बाद में होना था, प्रधानमंत्री ने तेलंगाना की एक जनसभा में राहुल द्वारा बताई गई 'शक्तियों' के खिलाफ लड़ाई को नारी शक्ति के प्रति किया गया अपमान बताते हुए उसे 'सनातन' के विवाद के साथ जोड़ दिया।) जिस 'शक्ति' का राहुल ने मुंबई में जिक्र किया था उसकी ताकत के बारे में हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय संस्था की रिपोर्ट जारी हुई है। साल 2022-23 के लिए संस्था 'World Inequality Lab' द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के सर्वाधिक अमीर एक प्रतिशत लोगों की आय में हिस्सेदारी बढ़कर 22.6 प्रतिशत और संपत्ति में हिस्सेदारी बढ़कर 40.1 प्रतिशत हो गई है। ऐसा सौ साल में पहली बार हुआ है। विपक्षी एकता और इतनी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर भाजपा अगर इतनी आश्वस्त 'दिखाई' पड़ती है तो उसके पीछे कोई बड़ा कारण होना चाहिए! निष्पक्ष अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' की सहयोगी अंग्रेजी पत्रिका 'द फ्रंटलाइन' के हाल के अंक में प्रकाशित एक आलेख में एक अमेरिकी शोध संस्थान की रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि मोदी 2029 और 2034 के

चुनावों की तैयारियों में जुट गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लीकार्जुन खड़गे ने हाल में बिना रूस का नाम लिए भारत के लोकसभा चुनावों की विश्वसनीयता को लेकर भी भय व्यक्त लिया था।

रूस में हुए चुनावों में पुतिन की सत्ता में धमाकेदार वापसी के बाद दुनिया की नजरें भय और जिज्ञासा के साथ अब जिन दो देशों के चुनाव परिणामों पर टिक गईं हैं उनमें एक भारत और दूसरा अमेरिका है। भारत के नतीजे 4 जून को और अमेरिका के नवम्बर के पहले सप्ताह में आ जाएंगे। अमेरिका में डॉनल्ड ट्रम्प एक बार फिर मैदान में हैं। ह्यूस्टन की रैली में ट्रम्प और मोदी के स्वागत के लिए पचास हजार से ज्यादा भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक उपस्थित थे। अमेरिकी मूल के नागरिकों की एक बड़ी आबादी और यूरोप के कई देश इस समय ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी की चर्चाओं से चिंतित और भयभीत हैं। ट्रम्प ने पिछले दिनों यहाँ तक कह दिया था कि वे अगर हार जाते हैं तो अमेरिका में खून-खराबा हो जाएगा।

सिकुड़ता वसंत पारिस्थितिकी तंत्र के लिए चुनौती

दीपिका अरोड़ा

विगत वर्ष ग्रीन हाउस गैसों, भूमि व जलीय तापमान तथा ग्लेशियरों एवं समुद्री बर्फ के पिघलने में हुई रिकार्डतोड़ वृद्धि का उल्लेख करते हुए, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने 'ग्लोबल वार्मिंग' के संबंध में रेड अलर्ट जारी किया। इसके तहत, वर्ष 2023 को अब तक का सर्वाधिक गर्म वर्ष घोषित किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, गत वर्ष ग्रीष्मकालीन अवधि अन्य वर्षों की अपेक्षा अधिक रही। ग्लेशियरों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव देखने में आया, ध्रुवीय बर्फ पिघलने के समस्त रिकार्ड ध्वस्त होते दिखाई पड़े।

यह चिंता का विषय है कि मनुष्य की लिप्साओं ने वायुमंडलीय पर्यावरण को प्रदूषित करते हुए धरती को संकट के कगार पर ला छोड़ा है। विगत वर्षों से अनवरत बढ़ता वायुमंडलीय तापमान आज एक चिंताजनक मुद्दा बन चुका है। विगत वर्ष ग्रीन हाउस गैसों, भूमि व जलीय तापमान तथा ग्लेशियरों एवं समुद्री बर्फ के पिघलने में हुई रिकार्डतोड़ वृद्धि का उल्लेख करते हुए, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने 'ग्लोबल वार्मिंग' के संबंध में रेड अलर्ट जारी किया। इसके तहत, वर्ष 2023 को अब तक का सर्वाधिक गर्म वर्ष घोषित किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, गत वर्ष ग्रीष्मकालीन अवधि अन्य वर्षों की अपेक्षा अधिक रही। ग्लेशियरों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव देखने में आया, ध्रुवीय बर्फ पिघलने के समस्त रिकार्ड ध्वस्त होते दिखाई पड़े।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने 'वैश्विक जलवायु की स्थिति' रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए, बहुप्रतीक्षित जलवायु लक्ष्य को खतरे में बताया। यूरोपीय संघ की कॉपरनिकस क्लाइमेट सर्विस के अनुसार, मार्च 2023 से फरवरी 2024 तक, 12 माह की अवधि में तापमान 1.5 डिग्री सीमा से आगे निकल गया, जो औसतन 1.56 सैल्सियस (2.81 फॉरेनहाइट) रहा है। 2023 में वर्ष की रिकॉर्ड गर्म शुरुआत ने 12 महीने के औसत स्तर में वृद्धि कर दी। तापमान का निरंतर बढ़ना, धरती पर संकट के संदर्भ में एक स्पष्ट चेतावनी है। जीवाश्म ईंधन जलने से कार्बन डाइऑक्साइड का बढ़ता स्तर इसका प्रमुख कारण रहा। 2023 के मध्य 90 फीसदी से अधिक महासागरीय जल में कम से कम एक बार लू का अनुभव किया गया। गौरतलब है, 1950 के बाद से ग्लेशियरों में बर्फ रिकॉर्ड स्तर पर गायब हो रही है। अंटार्कटिक समुद्री बर्फ घुलकर, अब तक के सबसे छोटे आकार में पहुंच गई है।

इस वायुमंडलीय विक्षोभ के विषय में भारतवर्ष भी अपवाद नहीं। 1970 के बाद से ग्लोबल वार्मिंग को लेकर, अमेरिका स्थित क्लाइमेट सेंट्रल के शोधकर्ताओं द्वारा भारत के संदर्भ में किए गए विश्लेषण के मुताबिक, भारत में सर्दियों का मौसम तेजी से गर्म हो रहा है; वसंत ऋतु की अवधि लगातार सिमट रही है। देश के कई भागों में तो वसंत ऋतु जैसे गायब ही हो चुकी है। शोधकर्ताओं के अनुसार, सिकुड़ता वसंत भविष्य में पारिस्थितिकी तंत्र के लिए नई चुनौतियां उत्पन्न कर सकता है। जैसा कि इस वर्ष उत्तर भारत में जनवरी की ठंड के साथ कुछ दिन हल्की गर्मी भी महसूस की गई, वहीं फरवरी में बढ़ती गर्मी के साथ मार्च में रहने वाली गुलाबी ठंड गायब रही।

कुछ दिन की हल्की ठंडक को छोड़कर मौसम सामान्यत: गर्म रहा, जिसका सीधा असर फरवरी-मार्च में फूल खिलने की प्रक्रिया पर पड़ा। गेंदा, कनेर, गुड़हल, गुलाब में तीव्र बदलाव देखने को मिले। अध्ययन के तहत, इस वर्ष राजस्थान में जनवरी-फरवरी के तापमान में 2.6 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा। केंद्रशासित प्रदेशों तथा कुल नौ राज्यों राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, पंजाब, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तराखंड में जनवरी-फरवरी के दौरान 2 डिग्री सेल्सियस से अधिक का अंतर देखा गया। पूर्वोत्तर राज्यों, मणिपुर में यह 2.3 डिग्री व सिक्किम में 2.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसमी चक्र में यह बदलाव वसंत लुप्त होने की आशंकाओं का प्रतीक है। अध्ययन के अनुसार, समस्त परिवर्तन ग्लोबल वार्मिंग के कारण ही देखने को मिल रहे हैं। वर्ष 1850 के बाद से वैश्विक औसत तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ गया है, जिससे जलवायु प्रभावित हुई। तभी वर्ष 2023 रिकॉर्ड स्तर पर गर्म रहा। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के महासचिव सेलेस्टे साउलो के अनुसार, पेरिस समझौते में सभी देशों द्वारा पृथ्वी के तापमान में वृद्धि को औद्योगीकरण के पूर्व के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस (2.7 डिग्री फॉरेनहाइट) से अधिक नहीं होने देने पर सहमति जताने के बावजूद आज पृथ्वी 1.5 डिग्री सेल्सियस की निचली (लक्ष्मण रेखा) सीमा के समीप होना, निश्चय ही चिंताजनक है। यानी विनाशकारी प्रवृत्ति को उलटने हेतु किए गए प्रयास अपर्याप्त हैं।

निरंतर बढ़ता वायुमंडलीय तापमान पर्यावरणीय संतुलन के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। वर्ष पर्यंत जमे रहने वाले हिमखंड पिघलने से जहां जलीय आपदाओं में वृद्धि हुई है, वहीं आने वाले दिनों में जलसंकट उपस्थित होने की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। पर्यावरणीय संतुलन पर गहराता संकट वास्तव में मानवीय स्वार्थ का ही परिणाम है, जिसका खमियाजा विभिन्न रूपों में समूची सृष्टि को चुकाना पड़ रहा है। हमारी अनंत लिप्साओं ने आज पृथ्वी ग्रह को विनाश के निकट पहुंचा दिया है। यदि अब भी हम प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता नहीं दिखाते अथवा वायुमंडलीय तापमान को गंभीरतापूर्वक नहीं लेते तो वह दिन दूर नहीं, जब धरती के अस्तित्व का संकट गहरा हो जाएगा!

माजुली द्वीप

असम में जंगल, मंदिर या जलप्रपात ही नहीं, द्वीप भी घूमने जा सकते हैं। असस में स्थित माजुली द्वीप प्रदूषण मुक्त मीठे पानी के द्वीप के रूप में प्रसिद्ध है। यह द्वीप जोरहाट शहर से महज 20 किमी दूर है और गुवाहाटी से 347 किमी की दूरी पर है।

काकोचांग जलप्रपात

असम के जोरहाट में रबर और कॉफी बागानों को देखने जा सकते हैं। यहां प्रमुख जलप्रपात है, जिसका नाम काकोचांग है। यह जलप्रपात नुमालीगढ़ के खंडहरों और सुंदर हरी चाय के बागानों के शानदार दृश्य देखने को मिलता है। काकोचांग काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से सटा हुआ है।

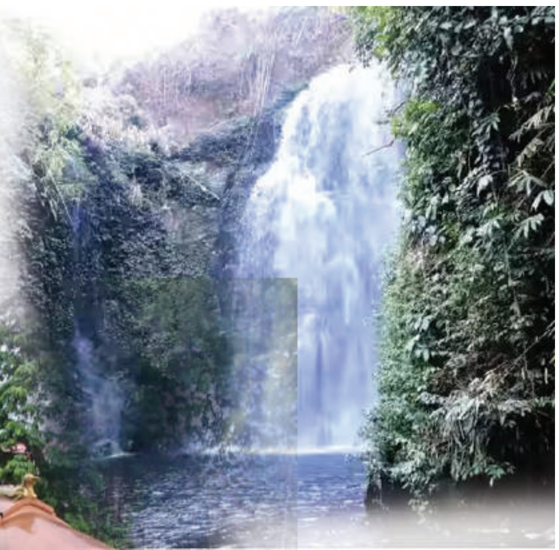

कामाख्या मंदिर

देवी सती ने आत्मदाह किया तो शिवजी उनके शरीर को गोद में लिए घूम रहे थे। इस पर विष्णु जी ने अपने सुदर्शन चक्र से माता सती के शरीर के टुकड़े कर दिए। शरीर के अंग धरती पर जहां-जहां गिरे, वहां दैवीय शक्तिपीठ स्थापित हो गया। कुछ 52 शक्तिपीठ हैं, जिसमें से देश का सबसे प्रमुख शक्तिपीठ असम की राजधानी दिसपुर में गिरा। इसे कामाख्या माता मंदिर के नाम से जाना जाता है। मंदिर दिसपुर के पास गुवाहाटी से 8 किमी दूर है। मंदिर नीलांचल पहाड़ियों के ऊपर स्थित है, जहां दर्शन के लिए देश विदेश से लाखों भक्त आते हैं।

गुवाहाटी

गुवाहाटी शानदार पर्यटन केंद्र है, जो कि ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित है। गुवाहाटी में प्राचीन मंदिर, वन्यजीव अभयारण्य, ब्रह्मपुत्र की प्राकृतिक सुंदरता देखने आ सकते हैं। यहां गुवाहाटी तारामंडल, असम राज्य संग्रहालय, नवग्रह मंदिर, नेहरू पार्क और ब्रह्मपुत्र नदी क्रूज प्रमुख आकर्षक हैं।

असम के मशहूर पर्यटन स्थलों में है काजीरंगा नेशनल पार्क

असम में स्थित काजीरंगा नेशनल पार्क में सेंट्रल कोहोरा रेंज है, जहां के मिहिमुख क्षेत्र में हाथी की सवारी और जीप सफारी का लुत्फ उठाने का मौका मिलता है। अगर आप भी पीएम मोदी की तरह काजीरंगा नेशनल पार्क में जंगल सफारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं और प्राकृतिकता के बीच एडवेंचर ट्रिप का आनंद लेना चाहते हैं तो असम यात्रा की योजना बनाएं। वैसे असम में घूमने के लिए कई अन्य मशहूर पर्यटन स्थल भी हैं। असम राज्य के गोलाघाट और नागांव जिले में काजीरंगा नेशनल पार्क स्थित है, जिसे 1985 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल के रूप में दर्जा दिया है। काजीरंगा में आपको सींग वाले राइनो, दलदली हिरण, हाथी, पैंगोलिन, बंगाल फॉक्स, तेंदुए, फ्लाइंग गिलहरी, भालू आदि देखने को मिल सकते हैं। इस स्थान पर रॉयल बंगाल टाइगर्स की एक विशाल आबादी भी पाई जाती है। जंगल सफारी, हाथी की सवारी का लुत्फ उठाने के लिए काजीरंगा नेशनल पार्क घूमने जा सकते हैं।

हंसना मना है

एक लड़की: हे भगवान, मेरी शादी किसी समझदार आदमी से करवा दो, भगवान: घर जाओ बेटी समझदार आदमी कभी शादी नहीं करते!

सांता: आज तेरे मोबाइल पे बड़े आई लव यू के मैसेज आ रहे है, क्या बात है? बंता: ओ कुछ नहीं यार, अपनी ऐसी किस्मत कहां, आज तो बीवी का मोबाइल लाया हूं!

हिंदी में एक लड़का फेल हुआ तो उसके पापा ने कहा, देख-देख उस लड़की को देख, वो तुम्हारे साथ पढ़ती है और फस्ट आयी है। लड़का: देख-देख क्या देख, उसीको देख-देख के तो फेल हुआ हूं!

लड़की: अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगे? लड़का: मैं भी मर जाऊंगा, लड़की: पर क्यों? लड़का: कभी कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है!

फेंकू- पप्पू, जल्दी से टीवी चालू कर, 30 फीट का सांप दिखा रहे हैं, पप्पू- अरे फेंकू, नहीं देख सकते हम, फेंकू- क्यों? पप्पू- क्योंकि हमारा टीवी 21 इंच का है ना।

मां अपने बेटे से: उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा अपनी मां से: तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

कहानी: सियार और जादुई ढोल

एक समय की बात है, जब एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। उस युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी चली, जिस कारण युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुड़क कर जंगल में चला जाता है और एक पेड़ के पास जाकर अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी। उसी जंगल में एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर गाजर खा रहे खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता है। जब वह खरगोश पर झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। किसी तरह से सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह ढोल की आवाज सुनकर घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला। फिर वह ढोल के पास जाता है और उस पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है। फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुड़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नष्ट है। नए कार्य में लाभ मिलेगा। नौकरी और व्यापार के लिए समय अच्छा रहेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला
दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

वृषभ
पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

धनु
यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कर्क
नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

मकर
कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सिंह
पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें।

कुम्भ
नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

कन्या
पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मीन
चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

मैंने करियर में एक साथ 16 फिल्में फ्लॉप होते देखी हैं

अपनी अपकमिंग फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' के ट्रेलर लांच के मौके पर खुलकर बोले अक्षय कुमार

बॉलीवुड मसाला

अक्षय कुमार कभी हिट फिल्मों के खिलाड़ी कहे जाते थे, लेकिन पिछले कुछ सालों में उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप फिल्मों की झड़ी लगा दी। उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर वो प्रदर्शन नहीं कर पाईं जिसकी उन्हें या मेकर्स को उम्मीद थी। हालांकि, उनकी 'ओएमजी-2' को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। अब बॉलीवुड स्टार अपनी अपकमिंग फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर अक्षय कुमार ने टिकट खिड़की पर सेल्फी और मिशन रानीगंज सहित अपनी हालिया फिल्मों पर दर्शकों की फीकी प्रतिक्रिया के बारे में खुलकर बात की।

अक्षय कुमार ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए अपना 100 प्रतिशत दे रहे हैं कि उनकी फिल्में सफल हों, हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर किस्मत उनके हाथ में नहीं है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अक्षय ने कहा, हम हर तरह की फिल्म की सफलता के लिए कोशिश करते रहते हैं। मैं एक ही तरह की जॉनर तक सीमित नहीं रहता। मैं एक जॉनर से दूसरे जॉनर में कूदता रहता हूं, चाहे सफलता मिले या नहीं, मैंने हमेशा इसी तरह काम किया है। मैं इसे करता रहूंगा। कुछ ऐसा जो सामाजिक हो, कुछ ऐसा जो अच्छा हो, कुछ कॉमेडी में हो, कुछ एक्शन में हो।

अक्षय ने आगे कहा, मैं हमेशा अलग-अलग तरह का काम करता रहूंगा। मैं सिर्फ इसलिए एक तरह की चीज पर अड़ा नहीं रहूंगा क्योंकि लोग कहते हैं, 'सर, आजकल कॉमेडी और एक्शन बहुत चल रहे हैं।' इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे सिर्फ एक्शन ही करना चाहिए। एक ही तरह का काम करने से मैं खुद ही बोर होने लगता हूं। चाहे वह टॉयलेट-एक प्रेम कथा हो, चाहे वह एयरलिफ्ट या रुस्तम हो, या कई अन्य फिल्में जो मैंने की हैं, कभी-कभी सफलता मिलती है, कभी-कभी नहीं।

इसके बाद अक्षय ने उस वक्त को याद किया जब उनकी लगातार 16 फिल्में फ्लॉप हुई थीं। उन्होंने साझा किया, ऐसा नहीं है कि मैंने (यह दौर पहले नहीं देखा है), एक समय था जब मेरे करियर में लगातार 16 फ्लॉप फिल्में थीं। लेकिन मैं वहीं खड़ा रहा और काम करता रहा और अब भी करूंगा। यह इस साल की एक ऐसी फिल्म है जिसके लिए हम सभी ने बहुत मेहनत की है और अब हम रिजल्ट देखने जा रहे हैं। हमें उम्मीद है कि यह हम सभी के लिए सौभाग्य लेकर आएगा।

पूजा एंटरटेनमेंट और एएजेड फिल्म्स के बैनर तले अली अब्बास जफर द्वारा लिखित और निर्देशित और अली अब्बास जफर, जैकी भगनानी, वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख और हिमांशु किशन मेहरा द्वारा निर्मित, 'बड़े मियां छोटे मियां' में सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर, अलाया एफ और रोनित रॉय महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल 2024 को ईद पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बॉलीवुड मन की बात

असुरक्षित लोगों से भरी पड़ी है फिल्म इंडस्ट्री : रवीना

रवीना टंडन ने अपनी जबरदस्त अदाकारी का जादू हमेशा ही दर्शकों पर खूब चलाया है। 90 के दशक में रवीना की एक्टिंग के साथ-साथ उनकी खूबसूरती ने भी लोगों को मदहोश कर रखा था। अब बदलते वक्त के साथ एक्ट्रेस कम ही प्रोजेक्ट्स में नजर आती हैं। हालांकि, इन दिनों वह अपकमिंग फिल्म पटना शुक्ला के प्रमोशन में काफी व्यस्त चल रही हैं। अपनी इसी फिल्म के प्रमोशन के दौरान हाल ही में रवीना ने बॉलीवुड को लेकर कुछ ऐसा कहा है कि सभी हैरान हैं। चलिए जानते हैं रवीना ने ऐसी कौन से खुलासे इंडस्ट्री को लेकर किए हैं। रवीना टंडन ने हाल में बताया कि फिल्म इंडस्ट्री असुरक्षित लोगों से भरी हुई है। एक्ट्रेस ने स्वीकार किया कि वह अपने करियर में इंडस्ट्री की राजनीति का शिकार भी हुई थीं, लेकिन आज उन्हें इस बात के लिए खुद पर गर्व है कि उन्होंने कभी अपनी इच्छा से किसी के करियर को नुकसान पहुंचाने के लिए कोई रणनीति नहीं बनाई। रवीना ने कहा कि वह पहले भी कई बार बता चुकी हैं कि 90 के दशक में इंडस्ट्री काफी कॉन्फिडेंट हुआ करती थी। अब यह सोचना भी कितना अजीब लगता है। रवीना ने आगे कहा, सेट पर बहुत मजेदार माहौल हुआ करता था। लोग झगड़ों, अफेयर्स, बदला लेने जैसे ड्रामे के बारे में एक-दूसरे को चिढ़ाते थे। उस समय सब कुछ बहुत अच्छा लगता था। रवीना ने बताया कि उन्होंने अपने बच्चों से कभी अपने पुराने रिश्तों के बारे में कुछ नहीं छिपाया। एक्ट्रेस का कहना है कि कल को वे इस विषय पर कहीं कुछ पढ़ेंगे और खुद से कोई सोच बनाएंगे, इससे अच्छा है कि मैं पहले ही सब बता कर रखूं, क्योंकि मुझे पता है कि फिल्म इंडस्ट्री में कितना गला काटा जाता है। लोग यहां सबसे पहले आपके चरित्र पर हमला करके आपको नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। रवीना टंडन ने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री प्रतिस्पर्धी है, लेकिन हर इंडस्ट्री ऐसी ही होती है। राजनीति और कॉरपोरेट की दुनिया में भी ऐसा ही होता है। यहां अंतर सिर्फ इतना है कि फिल्म इंडस्ट्री के बारे में इसलिए ज्यादा लिखा जाता है, क्योंकि अक्सर लोग मशहूर लोगों के बारे में गॉसिप करना पसंद करते हैं।

'योद्धा' का बॉक्स ऑफिस पर हुआ बुरा हाल, लाखों में सिमटी कमाई

सिद्धार्थ मल्होत्रा की देशभक्ति से लबरेज फिल्म 'योद्धा' की रिलीज का हर किसी को बेसब्री से इंतजार था। हालांकि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद इस फिल्म को दर्शकों से खास रिस्पॉन्स नहीं मिला और इसी के साथ ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए संघर्ष कर रही है। वहीं फिल्म को अजय देवगन की 'शैतान' से भी कड़ा मुकाबला करना पड़ा है ऐसे में 'योद्धा' उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाई है। चलिए यहां जानते हैं सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म रिलीज के 12वें दिन कितना कलेक्शन किया है?

'योद्धा' सिनेमाघरों में 15 मार्च को रिलीज हुई थी। प्लेन हाईजैक पर बेस्ड इस फिल्म में खूब एक्शन और ड्रामा है। हालांकि ये फिल्म दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई और 'योद्धा' की बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्मेंस काफी निराशाजनक रही। 'योद्धा' ने 4.1 करोड़ से ओपनिंग की थी और इसके बाद फिल्म ने पहले हफ्ते में 25.25 करोड़ का कलेक्शन किया। हालांकि रिलीज के दूसरे हफ्ते में पहुंचने के बाद से ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए काफी संघर्ष कर रही है। कमाई की बात करें तो दूसरे शुक्रवार को फिल्म ने 90 लाख कमाए। वहीं दूसरे शनिवार 'योद्धा' का कलेक्शन 1.5 करोड़ तो सेकंड संडे की कमाई 1.6 करोड़ रुपये रही। दूसरे सोमवार को भी 'योद्धा' ने 1.6 करोड़ का ही कारोबार किया। वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'योद्धा' ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 80 लाख का कलेक्शन किया है। इसी के साथ 'योद्धा' की 12 दिनों की कुल कमाई अब 31.65 करोड़ रुपए हो गई है। 'योद्धा' की कमाई की रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर काफी धीमी रही है।

इंग्लैंड के इस शहर में पहली बार मनाई गई होली, शामिल हुए हजारों लोग

देश-दुनिया में होली की धूम है। रंग पर्व का उल्लास देखते ही बन रहा है। वैसे तो दुनिया के कई देशों में होली जमकर मनाई जाती है। लेकिन एक जगह ऐसी भी है, जहां पहली बार होली का त्योहार सेलिब्रेट किया गया। एक-दो नहीं, हजारों लोग इस उत्सव में शामिल हुए। रंग-गुलाल लगाया और जमकर जश्न मनाया। इसे देखकर आप भी कहेंगे कि भारत के रुतबे का असर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के डोरसेट में कॉर्फ कैसल नाम का एक किला है। जहां कभी होली-दीपावली नहीं मनाई गई। लेकिन पहली बार शनिवार को यहां के नेशनल ट्रस्ट ने एक खास होली उत्सव मनाया, जिसमें करीब 3 हजार लोग शामिल हुए। बोर्नमाउथ, पूले और क्राइस्टचर्च के हिन्दू समुदाय के लोगों को इसमें आमंत्रित किया गया था। यह पहली बार था जब नेशनल ट्रस्ट ने किसी हिन्दू उत्सव की मेजबानी की। दो साल पहले भारत से बोर्नमाउथ गई निशा सरकार ने कहा, एक साथ होली मनाना हमारी संस्कृति में है। मेरे बच्चों को इसके बारे में जानना बेहद जरूरी है। इसलिए मैं अपनी बेटी को इस कार्यक्रम में लेकर आई। इंडियन होली मैं बहुत मिस कर रही हूं। लेकिन इतने खूबसूरत महल के पास जश्न मनाना अद्भुत है। कार्यक्रम का नाम 'रंग बरसे' रखा गया था। इसमें तमाम ब्रिटिश लोग भी अपने परिवार के साथ शामिल हुए। उन्होंने भी जमकर जश्न मनाया। नेशनल ट्रस्ट ट्रेडिशनली एक ब्रिटिश संस्थान है। लेकिन पहली बार उसने भारतीय फेस्टिवल को इतने व्यापक स्तर पर आयोजित किया। कार्यक्रम में आए भारतीयों ने कहा, यह भारत के रुतबे का असर दिखाता है। यह हमारी क्षमता का प्रतिबिंब है। अंजलि मावी ने कहा, यह बहुत अच्छा है कि नेशनल ट्रस्ट इस तरह के आयोजनों के माध्यम से हमारी विरासत को साझा करने में हमारी मदद कर रहा है।

अजब-गजब

इसे कहा जाता है धरती का सबसे अकेला घर

नॉर्वे के पास मौजूद स्कालमेन नाम के आइलैंड पर है एक ऐसा घर जहां दूर-दूर तक नहीं है कुछ भी

हममें से बहुत से लोग अक्सर अपनी दौड़भाग से भरी जिंदगी से तंग आकर सोचते हैं कि किसी ऐसी जगह चले जाएं, जहां सुकून ही सुकून हो। हालांकि शायद ही कोई ऐसी जगह को पसंद करेगा, जहां न तो कोई बातचीत करने के लिए हो, न ही आप किसी से मिलने-जुलने जा सकें। आज हम आपको एक ऐसे ही घर के बारे में बताएंगे, जो बिल्कुल वीरान जगह पर बना हुआ है।

शायद ही कोई होगा, जो इतने अलग-थलग माहौल में रहना चाहेगा, जहां महीनों तक कोई आना-जाना ही न हो। आज हम आपको एक ऐसे ही घर के बारे में बताएंगे, जिसे धरती का सबसे अकेला घर माना गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये घर एक सुदूर आइलैंड में है और इसे द्वीप समेत बेचा जा चुका है। आखिर दुनिया के एक छोर पर बने इस घर को खरीदा किसने और वो यहां क्या करता होगा?

नॉर्वे के पास मौजूद स्कालमेन नाम के आइलैंड पर एक ऐसा घर है, जिसे धरती का सबसे अकेला घर माना जा रहा है। यहां पर पहुंचने के लिए सिर्फ दो फेरीज हैं, जो 4 मील की बोट ट्रिप के बाद वहां पहुंचती हैं। इस जगह को पर्यटकों के लिए भी कई महीनों तक बंद रखा जाता है क्योंकि ये एक संरक्षित

बर्ड रिजर्व है। यहां मौजूद लाइटहाउस पर 20 साल से किसी ने कदम तक नहीं रखा। पहले तो इसे ढहाया जाना था लेकिन बाद में इमारत को पहले बेचने के लिए मार्केट में रखा गया।

1906 में इस घर को बनाया गया था। इसे 37 लाख रुपये में आइलैंड को नीलामी के लिए रखा गया था, लेकिन इसके दोगुने दाम में करीब 90 लाख देकर इसे एक कपल ने खरीद लिया। एंड्रियाज़ और मोना नाम के पति-पत्नी ने इसे खरीदा और वे यहां छुट्टियां मनाने के लिए आते हैं। हालांकि इस जगह की मरम्मत के लिए वे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। वे इस जगह को एक बार फिर टिप टॉप बनाना चाहते हैं, जहां वे भी आ सकें और पर्यटक भी।

'जयचंदों की गवाही पर मुझे गिरफ्तार किया गया'

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किया दावा-कहा, मेरे खिलाफ कोई अन्य सबूत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाईकोर्ट के समक्ष तर्क रखा कि आबकारी नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनकी गिरफ्तारी उन आरोपियों के बयानों पर आधारित है जो बाद में सरकारी गवाह बन गए। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ कोई अन्य सबूत नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष केजरीवाल के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने ऐसे गवाहों (अनुमोदकों) की तुलना ट्रोजन हॉर्स और जयचंद से की। सिंघवी ने कहा इस प्रजाति को अनुमोदक कहा जाता है।

इतिहास में अच्छे या बुरे उद्देश्यों के लिए अदालतों ने जयचंद और ट्रोजन हॉर्स जैसे वाक्यांशों से निपटा है। इतिहास इन जयचंद और ट्रोजन हॉर्स पर बहुत कठोरता से देखता है जिन्होंने दगा दिया। उन्होंने कहा कि अनुमोदक सबसे अविश्वसनीय मित्र होता है। सिंघवी ने इस टिप्पणी को विस्तार से बताते हुए कहा कि केजरीवाल को उन लोगों के बयानों के आधार पर गिरफ्तार किया गया था, जिन्हें पहले मामले में गिरफ्तार किया गया और बाद में सरकारी गवाह बनने के बाद जमानत मिल गई। उन्होंने कहा, आरोपी का बयान दर्ज किया गया उस कदम में मेरे खिलाफ कुछ भी नहीं है। अगला कदम उस व्यक्ति को गिरफ्तार करना है। वह जेल में पीड़ा सहता है और फिर उसे जमानत के लिए आवेदन करना पड़ता है। अगले कदम के लिए एएसजी ने अदालत को

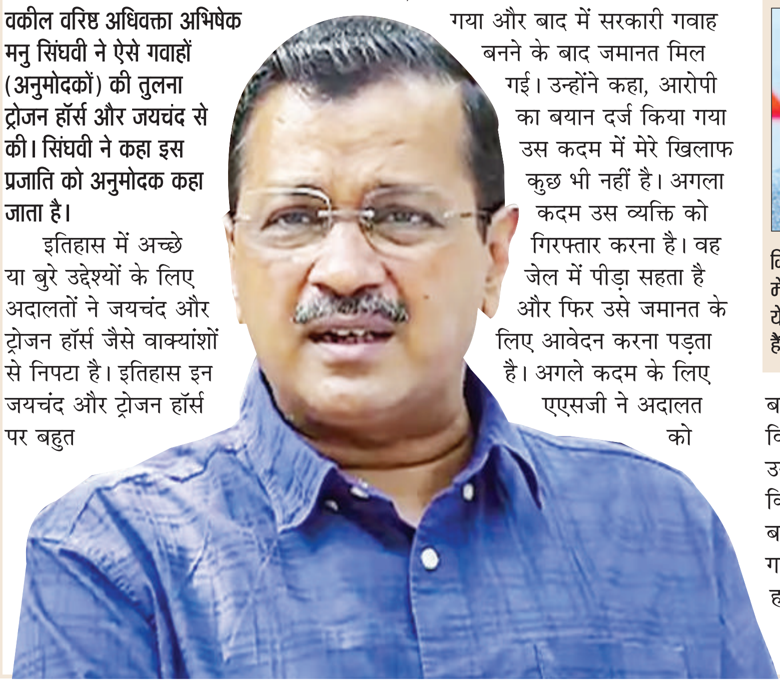

सरथ चंद्र रेड्डी के बयान विरोधाभासी

इस संबंध में, सिंघवी ने राघव मगुंटा के पिता और सरथ चंद्र रेड्डी के बयानों पर भी प्रकाश डाला। राघव मगुंटा के संबंध में सिंघवी ने कहा, उसे प्रताड़ित किया जाता है, पिता बयान देता है और बेटे को जमानत मिल जाती है। ऐसे बयानों का क्या मतलब है?सरथ चंद्र रेड्डी के बारे में उन्होंने कहा, दो बयान हैं जो मेरे खिलाफ नहीं हैं। अब गिरफ्तारी के बाद बयान आया है। वह नौ बयानों में मेरे खिलाफ नहीं अपना रुख बरकरार रखे हुए है। ये नौ बयान अभियोजन की छह शिकायतों में नहीं हैं। वे प्रक्रिया का मज़ाक उड़ा रहे हैं।

बताया कि ईडी का जमानत के लिए कोई विरोध नहीं है। कारण बताया गया कि उसे पीठ में दर्द है। अगला कदम यह है कि वह बाहर आता है और मेरे खिलाफ बयान देता है। इसके बाद वह सरकारी गवाह बन जाता है। शराब नीति मामले में हर मामले में ऐसा हुआ है। सिंघवी ने रेखांकित किया कि ऐसे किसी भी बयान की कोई पुष्टि नहीं है।

ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे केजरीवाल ने ठगा नहीं : अनुराग ठाकुर

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला किया है। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में एक रैली में ठाकुर ने कहा कि केजरीवाल जेल में है क्योंकि ऐसा कोई नहीं बचा जिसे उन्होंने धोखा न दिया हो। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि उसकी सरकार में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का बोलबाला था। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं आप लोगों से पूछना चाहता हूं कि क्या भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए या नहीं। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी और सोनिया गांधी जमानत पर हैं। चारा घोटाला करने वाले लालू यादव जमानत पर हैं। भ्रष्ट मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सत्येंद्र जैन जेल में हैं। अरविंद केजरीवाल भी आज जेल में हैं क्योंकि ऐसा कोई सगा नहीं है, जिसको केजरीवाल ने ठगा नहीं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि शराब घोटाले में 100 करोड़ रुपये से अधिक की घूस दी गई। घोटाले के मास्टरमाइंड केजरीवाल हैं। क्या वह कानून से ऊपर हैं।

राष्ट्रपति शासन लगाने की स्थिति नहीं : आतिशी

भाजपा की ओर से केजरीवाल के इस्तीफे की मांग व राष्ट्रपति शासन लगाने की बात पर आप ने वस्तुस्थिति से अवगत कराया है। मंत्री आतिशी ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 और जीएनसीटीडी अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि कोई भी सांविधानिक प्रावधान जेल से शासन चलाने को नहीं रोकता है। किसी अपराध में दो साल से अधिक की सजा पाने वाले व्यक्ति को इस्तीफा देना होता है। जीएनसीटीडी एक्ट के तहत मुख्यमंत्री को केवल तभी इस्तीफा देना होगा, जब बहुमत न हो। इसी तरह राष्ट्रपति शासन तभी लागू होता है, जब कोई और विकल्प नहीं होता। धारा 356 सुप्रीम कोर्ट में कई बार लाई गईं, लेकिन कोर्ट ने कहा कि जब कोई भी विकल्प न बचा हो तो इसे लागू किया जा सकता है।

आप नेताओं को प्रलोभन से भरे फोन कॉल्स आ रहे : संदीप पाठक

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक ने दावा किया कि 'आप' के विधायकों को फोनकर पार्टी छोड़ने या परिणाम भुगतने के लिए कहा जा रहा है। पाठक ने यह टिप्पणी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज यहां एक अदालत में पेश किए जाने से पहले की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गुंडागर्दी कर रही है और इससे देश को नुकसान होगा। 'आप' नेता ने कहा, कि हर जगह आम आदमी पार्टी के विधायकों को फोन किया जा रहा है। (फोन करने वाले) कह रहे हैं जो चाहिए, बोलो, मिल जाएगा, नहीं आये तो तुम्हारी ख़ैर नहीं। उन्होंने कहा, दिल्ली और पंजाब की जनता ने इतनी उम्मीद से केजरीवाल को चुना है, और यह जनता का अधिकार है।

9 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजी गईं के. कविता

» बीआरएस नेता तिहाड़ जेल शिफ्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की आबकारी नीति मामले में अदालत द्वारा न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद बीआरएस नेता के कविता को तिहाड़ जेल भेजा गया है। के, कविता को नौ अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। बता दें कि के. कविता को ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तारी के बाद ईडी की टीम के कविता को हैदराबाद से दिल्ली लेकर आई, जहां उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था। ईडी का दावा है कि के. कविता ने आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर कथित तौर पर साजिश रची। जिसके तहत दिल्ली

शराब नीति में फायदा पाने के लिए आप नेताओं को करीब 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। के. कविता को कथित दक्षिण लॉबी का हिस्सा बताया जा रहा है। दिल्ली शराब नीति मामले में ईडी अब तक देशभर में 245 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है और मनीष सिसोदिया, संजय सिन्हा और विजय नायर समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बीजेपी ने एक और चुनावी जुमला उछाला : उमर

» बोले- हालात सामान्य हैं तो तुरंत हटाएं अफस्पा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। गृहमंत्री अमित शाह के जम्मू-कश्मीर से आर्म्ड फोर्स स्पेशल पावर एक्ट (अफस्पा) को हटाने संबंधी पर राज्य के दो पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला व महबूबा मुफ्ती ने प्रतिक्रिया दी है। दोनों ने कहा कि यह बाते अन्य की तरह जुमला साबित न हो जाए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बडगाम में अफस्पा को हटाने पर विचार करने के गृह मंत्री अमित शाह के बयान को चुनावी जुमला करार दिया है।

उमर ने कहा कि पिछले चुनाव के दौरान लद्दाख के लोगों से भी प्रदेश को छठी सूची में शामिल करने का वादा किया गया, लेकिन इसे अबतक पूरा नहीं किया गया। इसी तरह अब जम्मू कश्मीर में ठीक चुनाव से पहले अफस्पा हटाने का बयान दिया गया है। उमर ने कहा प्रदेश में अगर हालात सामान्य हैं तो अफस्पा को

तुरंत हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा,जब केंद्र सरकार घोषणा करती है कि जम्मू-कश्मीर में स्थिति सामान्य है और आतंकवाद और अलगाववाद समाप्त हो गया है, तो उनके पास अफस्पा को हटाने में देरी करने का कोई कारण नहीं है। उनका मानना है कि और देरी की कोई जरूरत नहीं है। मैं 2011 से इस दिन का इंतजार कर रहा हूं। हमने अफस्पा हटाने के लिए बहुत प्रयास किए।

गृहमंत्री की घोषणा खोखली न साबित हो : महबूबा मुफ्ती

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर से आर्म्ड फोर्स स्पेशल पावर एक्ट (अफस्पा) को हटाने पर विचार करने के गृह मंत्री अमित शाह के बयान का स्वागत किया। महबूबा ने कहा कि देर आए दुरस्त आए। उम्मीद है कि यह देश में हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के भाजपा के वादे की तरह चुनावी जुमला नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पहले कदम के रूप में केंद्र सरकार जेल में बंद पत्रकारों और कश्मीरी युवाओं को रिहा कर सकती है, जिन्हें बिना किसी आरोप या ट्रायल के जेलों में बंद किया गया है। पीडीपी ने सैनिकों को क्रमिक रूप से हटाने के साथ-साथ कठोर अफस्पा को हटाने की लगातार मांग की है। अफस्पा को हटाना गठबंधन के एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी रहा है, जिस पर भाजपा ने पूरी तरह से सहमति व्यक्त की है। देर आए दुरुस्त आए, लेकिन यह हर साल दो करोड़ नौकरियां देने और बैंक खातों में 15 लाख जमा करने के खोखले वादे जैसी जुमलेबाजी न हो।

सनराइजर्स के सामने फीकी पड़ी मुंबई की चमक

» हैदराबाद ने आईपीएल में बनाया सबसे बड़ा 277 रन का स्कोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने होमग्राउंड पर पहले ही मैच को यादगार बनाते हुए मुंबई इंडियंस को रौंद दिया। आईपीएल 2024 के आठवें मैच में एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करके टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। एसआरएच ने 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 277 रन बनाए। जवाब में मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 246 रन बनाए।

एसआरएच और एमआई के बीच मैच रिकॉर्ड्स के लिहाज से ऐतिहासिक बन गया। इस मुकाबले में आईपीएल

इतिहास के सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा छक्के लगे।

पैट कमिंस के नेतृत्व वाली सनराइजर्स हैदराबाद को इस जीत का जबरदस्त फायदा मिला और उसने चार स्थान की छलांग लगाते हुए आईपीएल 2024 की प्वाइंट्स टेबल में तीसरा स्थान हासिल किया। बता दें कि आईपीएल 2024 के आठ मैचों के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स नंबर-1 पर बरकरार है। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व वाली सीएसके ने लगातार दो मैच जीतकर शीर्ष पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। वहीं, राजस्थान रॉयल्स की टीम दूसरे स्थान पर काबिज है। रॉयल्स के पास सीएसके को आज पीछे छोड़ने का शानदार मौका होगा।

सीएसके नंबर-1 मुंबई को नुकसान

मुंबई इंडियंस ने टूर्नामेंट में लगातार दूसरी शिकस्त झेली और इस खामियाजा उसे प्वाइंट्स टेबल में भी सहना पड़ा है। मुंबई इंडियंस को एक स्थान का और नुकसान हुआ और वो खिसककर 9वें स्थान पर पहुंच गई है। लखनऊ सुपरजायंट्स आखिरी स्थान पर है।

भारी पड़ी अभद्र टिप्पणी! सुप्रिया श्रीनेत व दिलीप घोष पर गिरी गाज

दोनों को अपनी पार्टियों से लगी लताड़, आयोग की भी नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी मामले में कांग्रेस व बीजेपी के नेताओं पर गाज गिरी है। जहां चुनाव आयोग ने सुप्रिया श्रीनेत व दिलीप घोष को नोटिस भेज दी हैं। वहीं कांग्रेस ने सुप्रिया श्रीनेत का टिकट काट दिया है। उधर भाजपा नेता दिलीप घोष के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दिया गया है।

ज्ञात हो कि बॉलीवुड अभिनेता रनौत के खिलाफ कांग्रेस नेता श्रीनेत के अकाउंट से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक विवादास्पद टिप्पणी पोस्ट किए जाने के बाद राजनीतिक हंगामा मच गया, जिन्हें भाजपा ने हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 14 उम्मीदवारों की आठवीं सूची जारी की। राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, जिनके महाराजगंज से चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, सूची में जगह बनाने में असफल रही हैं।

महाराजगंज से सुप्रिया श्रीनेत को टिकट नहीं !

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए बुधवार को 14 उम्मीदवारों की आठवीं सूची जारी की जिसमें सबसे प्रमुख नाम मध्य प्रदेश के विदिशा से प्रताप भानु शर्मा और गुना से राव यादवेन्द्र सिंह का है। वहीं यूपी के लिस्ट में उम्मीद की जा रही थी की महाराजगंज से सुप्रिया श्रीनेत का नाम होगा पर उनका नाम नहीं है। वहीं भानु शर्मा मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और यादवेंद्र सिंह केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को चुनौती देंगे। चौहान दो दशक बाद लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं तो सिंधिया भाजपा की तरफ से पहली बार गुना से लोकसभा उम्मीदवार हैं।

भाजपा नेता दिलीप घोष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष के खिलाफ दुर्गापुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि घोष के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करने और किसी महिला की गरिमा का अपमान करने के इरादे से शब्द, इशारा या कृत्य से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बनर्जी पर अपनी टिप्पणियों के लिए बुधवार को माफी मांग ली थी। उनकी टिप्पणियों से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया था।

मैं आपका था और रहूंगा : वरुण गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पीलीभीत की जनता को सांसद ने लिखा भावुक पत्र

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेता वरुण गांधी ने गुरुवार को पीलीभीत की जनता के लिए एक पत्र लिखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने इस पत्र को शेयर किया है, अपने पत्र में उन्होंने लिखा, इस पत्र को लिखते हुए अनगिनत यादों ने मुझे भावुक कर दिया है, मुझे वो 3 साल का बच्चा याद है जो 1983 में अपनी मां की उंगली पकड़ कर पहली बार पीलीभीत आया था। तब वह नहीं जानता था कि एक दिन यह धरती उसकी कर्मभूमि और यहां के लोग उसका परिवार बन जाएंगे।

पत्र में वरुण गांधी ने आगे लिखा, मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे वर्षों तक पीलीभीत की जनता की सेवा करने का मौका मिला। सिर्फ सांसद के तौर पर नहीं बल्कि एक व्यक्ति के तौर पर भी मेरी परवरिश और विकास में पीलीभीत से मिले आदर्श, सरलता और सहृदयता का बड़ा योगदान है, आपका प्रतिनिधि होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैंने हमेशा अपनी पूरी क्षमता से आपके हितों के लिए आवाज उठाई है। अपने कार्यकाल की समाप्ति को लेकर उन्होंने लिखा, एक सांसद के रूप में भले ही मेरा कार्यकाल खत्म हो रहा हो पर पीलीभीत से मेरा रिश्ता अंतिम सांस तक खत्म नहीं हो सकता। सांसद के रूप में नहीं, तो बेटे के तौर पर सही, मैं आजीवन आपकी सेवा के लिए प्रतिबद्ध हूं और मेरे दरवाजे आपके लिए हमेशा पहले के जैसे ही खुले रहेंगे। मैं राजनीति में आम आदमी की आवाज उठाने आया था और आज मैं आपसे आशीर्वाद मांगता हूं कि हमेशा मैं ये काम करता हूं, चाहे उसकी कोई भी कीमत चुकानी पड़े।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया आज से शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 12 राज्यों की 88 संसदीय सीट के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया बृहस्पतिवार से शुरू हो गई। राष्ट्रपति की ओर से निर्वाचन आयोग ने 26 अप्रैल को होने वाले संसदीय चुनाव के दूसरे चरण की अधिसूचना बृहस्पतिवार सुबह जारी की। इस चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख चार अप्रैल है।

जम्मू-कश्मीर को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नामांकन पत्रों की जांच पांच अप्रैल को की जाएगी। जम्मू-कश्मीर में नामांकन पत्रों की जांच छह अप्रैल को होगी। इस चरण के दौरान बाहरी मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के एक हिस्से में भी मतदान होगा। बाहरी मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव की अधिसूचना 20 मार्च को पहले चरण के लिए जारी गजट अधिसूचना में शामिल की गई थी।

ईडी के सामने पेश नहीं हुईं महुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कहा- कृष्णानगर में प्रचार करेंगी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता महुआ मोइत्रा ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को नजरअंदाज करते हुए कहा है कि वह बृहस्पतिवार को कृष्णनगर लोकसभा क्षेत्र में प्रचार करेंगी। उनसे दिल्ली में ईडी कार्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा गया था। उन्होंने कहा कि मैं दोपहर में कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार के लिए निकलूंगी।

ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए मोइत्रा और दुबई स्थित व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी को नया समन जारी किया था। टीएमसी की 49 वर्षीय नेता महुआ मोइत्रा को केंद्रीय एजेंसी ने पहले भी दो बार पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह आधिकारिक काम का हवाला देकर पेश नहीं हुईं और नोटिस को स्थगित करने की मांग की। मोइत्रा को दिसंबर में अनैतिक आचरण के लिए लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। उन्हें उनकी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से फिर से उम्मीदवार बनाया है। केंद्रीय अन्वेषण एजेंसी (सीबीआई) ने कथित रूप से पैसे लेकर सवाल पूछने के संबंध में शनिवार को टीएमसी नेता के परिसर पर छापा मारा था। इससे कुछ दिन पहले लोकपाल ने सीबीआई को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा मोइत्रा के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया था।

कोर्ट पर सवाल उठाने वालों की सीजेआई से शिकायत

» कुछ समूह न्यायपालिका पर डाल रहे दबाव : साल्वे

» 600 से ज्यादा वकीलों ने चीफ जस्टिस को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और पिंकी आनंद सहित भारत में 600 से अधिक वकीलों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को लिखे एक पत्र में न्यायपालिका को प्रभावित करने के लिए निहित स्वार्थ समूह के प्रयासों पर अपनी चिंता व्यक्त की है। वकीलों ने दावा किया कि समूह खासकर राजनीतिक नेताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में न्यायिक परिणामों को प्रभावित करने के लिए दबाव की रणनीति अपना रहा।

वकीलों ने विषय शीर्षक न्यायपालिका के लिए खतरा के तहत पत्र में आगे कहा कि ये कार्रवाइयां लोकतांत्रिक ताने-बाने और न्यायिक प्रक्रियाओं में रखे गए विश्वास के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करती हैं। वकीलों ने कहा कि समूह द्वारा अपनाई गई कुछ रणनीतियों में उनके राजनीतिक एजेंडे के आधार पर अदालत के फैसलों की चयनात्मक आलोचना या प्रशंसा शामिल है, इसे मेरा रास्ता या राजमार्ग दृष्टिकोण कहा जाता है। वकीलों ने दावा किया कि हित समूह वर्तमान कार्यवाही को बदनाम करने और अदालतों में जनता के विश्वास को कम करने के लिए न्यायपालिका के तथाकथित स्वर्ण युग के बारे में झूठी बातें प्रचारित कर रहा था। सीजेआई को लिखे पत्र में कहा गया कि यह देखना परेशान करने वाला है कि कुछ वकील दिन में राजनेताओं का बचाव करते हैं और फिर रात में मीडिया के माध्यम से न्यायाधीशों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं।

अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग करने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। भाजपा लगातार केजरीवाल के इस्तीफे की मांग कर रही है।

अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया है। इस आबकारी नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।